सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह
www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
दैनिक सांध्यकालीन
स्वराज इंडिया
कानपुर, बुधवार, 07 मई, 2025
वर्ष: 02, अंक: 131, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

इनसाइड मेरा सुहाग उजाड़ा, मोदी जी ने लिया सिंदूर का बदला... » Pg03

न्याय हुआ... जय हिंद... जय हिंद की सेना

ऑपरेशन सिंदूर ने तोड़ी नापाक आतंक की कमर

जो कहा, कर दिखाया । आधी रात नौ आतंकी शिविर ध्वस्त, भारत की नारी शक्ति ने दुनिया को सुनाई वीरता की कहानी

पाकिस्तान में खलबली, युद्धविराम की गुहार, पीएम का यूरोप दौरा और जवानों की छुट्टियां रद्द

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

नई दिल्ली। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का जवाब देते हुए भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में फैले नौ आतंकी शिविरों को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया। इस ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई की जानकारी सेना, वायुसेना और विदेश मंत्रालय की संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग में दी गई। विदेश सचिव विक्रम मिस्री, भारतीय सेना की लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह शामिल हुईं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े तमाम सैन्य और कूटनीतिक पहलुओं को विस्तार से साझा किया।

कांपा पाक, युद्धविराम की गुहार

दोनों महिला अधिकारियों की ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया ब्रीफिंग उन आतंकवादियों को करारा तमाचा है, जिन्होंने पहलगाम में धर्म के आधार पर हत्याएं कीं। इसके साथ ही यह उन लोगों के लिए भी साफ सन्देश है जो इस घटना के बाद देश में हिन्दू-मुसलमान करने में जुटे थे।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की जमीन पर कहर बरपाया, तो इस प्रहार की गूंज इस्लामाबाद से लेकर रावलपिंडी तक सुनाई दी। आतंकी ठिकानों पर हुए सटीक हमलों से पाकिस्तान की नींद उड़ गई और अब हालात युद्ध जैसे बन चुके हैं। इसके बाद पाकिस्तान में भारतीय सेना का खौफ इस कदर है कि उनके रक्षा मंत्री खुद सामने आकर तनाव खत्म करने की गुहार लगाने लगे हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' का मकसद पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाना था। इस हमले में कुल 26 निहत्थे पर्यटक, जिनमें 25 भारतीय और 1 नेपाली नागरिक शामिल थे, की निर्मम हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा, पाकिस्तान में बीते तीन दशकों में आतंकवाद का एक संगठित ढांचा खड़ा किया गया है, जो पीओके में भी फैला हुआ है। इन ढांचों को ही लक्ष्य बनाकर 9 आतंकी शिविरों को ध्वस्त किया गया।

उन्होंने कहा कि पुख्ता इंटेलिजेंस इनपुट के बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया। पाकिस्तान के मुजफ्फराबाद मे लश्कर के ट्रेनिंग सेंटर पर हमला किया गया। आतंकियों ने यहीं से प्रशिक्षण लिया था। बरनाला कैंप भी ध्वस्त किया गया। इसके अलावा सियालकोट में महमूना कैंप को भी तबाह किया गया।

आतंकी के प्रशिक्षण अड्डे ध्वस्त

उन्होंने खुलासा किया कि पीओजेके में पहला निशाना मुजफ्फराबाद के सवाई नाला कैंप को बनाया गया, जो नियंत्रण रेखा से 30 किमी दूर है और लश्कर-ए-तैयबा का प्रशिक्षण अड्डा था। यहीं से सोनमर्ग (20 अक्टूबर 2024), गुलमर्ग (24 अक्टूबर 2024) और पहलगाम (22 अप्रैल 2025) हमलों में शामिल आतंकियों को प्रशिक्षण मिला था। वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि हमला रात 1:05 बजे शुरू हुआ और 1:30 बजे तक चला। इस दौरान वायुसेना ने बेहद सटीक तरीके से हमले किए ताकि नागरिक ढांचे को नुकसान न पहुंचे और किसी आम नागरिक की जान न जाए। उन्होंने कहा कि हमने उच्च स्तरीय खुफिया सूचनाओं के आधार पर ही स्थानों का चयन किया। ऑपरेशन की योजना में सेना, वायुसेना और खुफिया एजेंसियों की समन्वित भूमिका रही।

पिक्चर अभी बाकी है

पूर्व थल सेना प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने एक रहस्यमयी संदेश के साथ तनाव को और हवा दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, अभी पिक्चर बाकी है यदि पाकिस्तान ने संघर्ष को बढ़ाने की कोशिश की, तो भारत और सैन्य कार्रवाइयां कर सकता है।

100 किमी अंदर तक जैश-लश्कर और हिज्बुल के नौ ठिकाने तबाह

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ी और सटीक कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात लगभग 1:30 बजे 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। यह भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना का एक संयुक्त अभियान था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित कुल 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस एयर स्ट्राइक में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के प्रमुख शिविर तबाह कर दिए गए।

90 आतंकी ढेर

रॉ की मदद से भारतीय सेनाओं ने जिन ठिकानों की पहचान की थी, उनमें से चार पाकिस्तान में और पाँच पीओके में स्थित थे। भारतीय खुफिया सूत्रों के अनुसार, इन हमलों में 80 से 90 आतंकवादी मारे गए, जिनमें बहावलपुर और मुरीदके के शिविरों में सबसे अधिक 25-30 दहशतगर्द ढेर हुए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में मसूद अजहर का पूरा परिवार खत्म

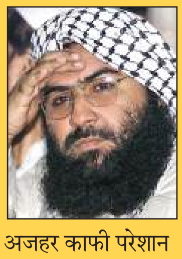

पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख अड्डे मरकज सुब्हान अल्लाह पर भारतीय सेना द्वारा किए गए स्ट्राइक में मसूद अजहर की पत्नी, बेटा और बड़ी बहन सहित उसके पूरे परिवार के 10 लोगों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। टीवी रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हमले में मसूद की बड़ी बहन, बहनोई और चार करीबी गुर्गे के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। मारे गए लोगों में मौलाना काशिफ, उसका परिवार, मौलाना अब्दुल रऊफ की बड़ी बेटी, पोते और चार बच्चे शामिल हैं। इस हमले में परिवार के खात्मे के बाद मसूद अजहर काफी परेशान है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उसने कहा- अच्छा होता कि मैं भी मर जाता।

तबाह किए गए प्रमुख आतंकी ठिकाने

बहावलपुर (पाकिस्तान): जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय, अंतरराष्ट्रीय सीमा से 100 किमी दूर।

मुरीदके (पाकिस्तान): लश्कर-ए-तैयबा का शिविर (26/11 हमले से जुड़ा), बॉर्डर से 30 किमी दूर।

गुलपुर (पीओके): प्रशिक्षण एवं ठहराव केंद्र, एलओसी (पुंछ-राजौरी) से 35 किमी दूर।

लश्कर कैंप सवाई: लश्कर-ए-तैयबा का शिविर, 30 किमी दूर।

बिलाल कैंप (पीओके): जैश-ए-मोहम्मद का लॉन्चपैड।

कोटली (पीओके): लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना, 15 किमी दूर।

बरनाला कैंप (पीओके): संभावित लश्कर/जैश के ठिकाने, एलओसी से 10 किमी दूर।

सरजाल कैंप (पाक सीमा सांबा/कठुआ फ्रंट): जैश-ए-मोहम्मद के ठिकाने, बॉर्डर से 8 किमी दूर।

मेहमूना कैंप (सियालकोट के पास, पाकिस्तान): हिज्बुल मुजाहिदीन प्रशिक्षण शिविर, बॉर्डर से 15 किमी दूर।

सात साल पहले 'मृतक' को डीएम ने चार दिन में कर दिया 'जिंदा'

» सदर तहसील ग्राम मवइया का मामला

» भतीजे ने जमीन हडपने के लिए खतौनी में लिखवाया मृतक

» सात साल से अफसरों की चौखट पर गुहार लगाता रहा

» डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने जांच एसीएम सात से करवाई तो खुला मामला

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

राहुल पाण्डेय, स्वराज इंडिया

कानपुर। सदर तहसील ग्राम मवइया के रहने वाले सुरेश कुमार को 2018 में खतौनी के कागजों में प्रशासन ने मृत घोषित कर दिया। बीते सात साल से सुरेश कुमार अपने जिंदा होने का प्रमाण लिए अफसरों की चौखट पर सिर पटकते रहे। कुछ दिन पहले कलेक्ट्रेट पहुंचे सुरेश कुमार ने अपनी व्यथा डीएम को बताई। डीएम ने पूरे मामले की जांच एसीएम सात को सौंपी गई। जांच में सरकारी कर्मचारी की लापरवाही सामने आई। रिपोर्ट में एसीएम 7 ने 2018 के आदेश को निरस्त किए जाने की संस्तुति की है। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि यह गंभीर लापरवाही है। इसकी जांच की जाएगी और लापरवाह पर कार्रवाई।

पूरा मामला क्या है ?

एक्टर पकंज त्रिपाठी की फिल्म आई थी कागज। फिल्म में पकंज त्रिपाठी अपने जिंदा होने का प्रमाण सबको देते हैं, लेकिन कोई नहीं मानता क्योंकि उनके गांव का लेखपाल उन्हें कागज में मृत घोषित कर चुका होता है। बिलकुल ऐसा ही मामला सदर तहसील के थाना चकेरी के ग्राम मवइया का है।

सुरेश कुमार उर्फ सुरेश चन्द्र पुत्र स्व मोहन लाल ने बताया कि भतीजे दयाशंकर ने तहसील में गलत तथ्यों और गवाहों के आधार पर कागज में मुझे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन अफसर ने भी किसी ठोस कागज या मृत प्रमाणपत्र के उन्हें 2018 में खतौनी में मृत घोषित कर दिया। सुरेश ने बताया कि मेरे हिस्से की जमीन दयाशंकर के नाम दर्ज किये जाने को 2/07/2018 को ही अमल दरामद परवाना जारी कर दिया तथा राजस्व अभिलेखों में दयाशंकर का नाम अंकित हो गया। दयाशंकर ने उसमें से लगभग 40 लाख रुपये की जमीन बेचकर पैसा ले लिया। सुरेश ने बताया कि तहसील तथा पुलिस अधिकारियों को कई प्रार्थना पत्र दिये पर कोई सुनवाई नहीं हुई। पूर्व में तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र दिया जिस पर क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा अपनी रिपोर्ट में फर्जीवाड़े को सही तो माना लेकिन रिलीफ देने के बजाये सिविल न्यायालय जाने की सलाह दी।

जांच में क्या मिला

एसीएम सात ने जब पूरे मामले की जांच की तो पता चला कि उक्त शिकायतकर्ता सुरेश कुमार ही जिसे खतौनी में मृत घोषित किया गया है। उन्होंने इस संबंध में मवइया के कुछ लोगों से बात की और जानकारी एकत्र की। मालूम चला कि सुरेश कुछ साल पहले पंजाब रोजगार के लिए गया था।

रिपोर्ट में क्या लिखा

एसीएम सात ने जांच में लिखा है कि सुरेश कुमार जिंदा है और खतौनी में दयाशंकर पुत्र रमेश चन्द्र निवासी ग्राम मवइया का नाम बतौर वारिस अनुचित गलत दर्ज किया गया है। खतौनी में दर्ज मृतक सुरेश चन्द्र जीवित है। शिकायतकर्ता द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सुरेश कुमार के नाम से है। सुरेश कुमार उर्फ सुरेश चन्द्र दोनों एक ही व्यक्ति है। उन्होंने तहसीलदार के 2018 के आदेश को निरस्त किए जाने की संस्तुति की है।

चमनगंज अग्निकांड पीड़ित परिजन से मिलने पहुंचे अजय राय

पहलगाम हमले में मारे गए शुभम के परिजनों से भी मिले, शहीद का दर्जा देने की मांग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के चमनगंज अग्निकांड पीड़ित परिवार को सांत्वना देने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बुधवार को कानपुर पहुंचे। उन्होंने कानपुर महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता और कांग्रेस जनों संग मृत दानिश के परिवार से मुलाकात कर उनको ढांढस बंधाया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने दिवंगत दानिश के भाई काशिफ और उनके मामा इशरत से मुलाकात कर कहा कि कांग्रेस इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़ी है। परिवार ने फिर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता, ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला, भूधर नारायण मिश्रा, नरेश त्रिपाठी, तौसीफ खान आदि कांग्रेस जनों संग अग्निकांड वाली बिल्डिंग भी देखी।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को देखकर काशिफ उनसे गले लग के रोने लगे। इस पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी भावुक हो गए। अजय राय ने कहा कि यह बेहद दुखद घटना है।

दानिश उनकी पत्नी और तीनों बेटियों को हम सब श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। कांग्रेस परिवार को न्याय दिलवाने के लिए आवाज उठाएगी।

शुभम के परिजनों से भी मिले कांग्रेस अध्यक्ष

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में कानपुर के शुभम द्विवेदी की आंतकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

बुधवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पीड़ित परिजनों से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना द्वारा आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जिससे परिवार भी खुश हुआ। परिजनों ने भी शुभम को शहीद का दर्जा देने की मांग की।

पहलगाम-आतंकी अटैक मामला

शुभम की पत्नी का आया रिएक्शन

मेरा सुहाग उजाड़ा, मोदी जी ने लिया सिंदूर का बदला

भारतीय सेना के ऑपरेशन में मिट्टी में मिले कई आतंकी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 26 मासूम पर्यटकों की कमी तो उनके परिवार को ताउम्र रहेगी, लेकिन 7 मई, 2025 की सुबह जब उन्हें ये खबर मिली कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को तहस-नहस कर दिया है तो उनके टूटे हुए कलेजे को थोड़ी ठंडक जरूर मिली।

मीडिया से बात करती शुभम द्विवेदी की पत्नी एशान्या

कायराना हमले में कानपुर के युवा शुभम को भी धर्म पूछकर आतंकियों ने गोलियों से भून दिया था। उनकी पत्नी वहां मौजूद थीं और आंखों के सामने अपने सिंदूर को उजड़ते हुए देख रहीं थीं। आतंकियों ने उनसे कहा- जाकर अपने सरकार (मोदी जी) को बता देना। बुधवार, 7 मई की आधी रात भारतीय सेना और एयरफोर्स ने जॉइन्ट ऑपरेशन कर पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। पहलगाम आतंकी हमले में अपने पति को खोने वाली शुभम की पत्नी ऐशान्या की आंखें आज भी नम है, लेकिन उन आंखों में पति की आत्मा को शांति मिलने का सुकून भी नजर आ रहा है। वहीं विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भी शुभम द्विवेदी के घर पहुंच कर पिता और पत्नी से मिलकर जानकारी दी।

हमारे सिंदूर का बदला ले लिया...

शुभम की पत्नी ऐशान्या ने मीडिया से खास बातचीत में कहा कि मैं शुक्रिया करती हूं मोदी सरकार और इस ऑपरेशन से जुड़े सभी लोगों और भारतीय सेना की जिन्होंने हमारे सिंदूर का बदला ले ही लिया। आज ये न्यूज देखकर, हम जो 26 औरतें हैं जिनकी पहलगाम में सिंदूर मिटा दी गई थी, उन्हें कहीं ना कहीं शांति मिली है। हमारा जो चला गया, वो कभी वापस नहीं आएगा लेकिन जो इस दुनिया में नहीं रहे उनकी आत्मा को शांति मिलेगी।

मोदी जी ने आतंकियों को दिया मुंहतोड़ जवाब

शुभम की पत्नी ऐशान्या ने उस दर्दनाक हमले को याद करते हुए कहा कि आतंकियों ने मेरे आंखों के सामने मेरे पति को मार दिया और मुझसे कहा था कि जाकर अपनी सरकार... मोदी को बता देना। आज मोदी जी ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है। जब मैंने ये न्यूज देखी तो मैंने अपनी बहन को सबसे पहले मैसेज किया कि शुभम की आत्मा को अब शांति मिल जाएगी।

सियासी रसूख का डर दिखाकर फोन पर धमकाया

आरोपी कुशाग्र द्विवेदी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। नौबस्ता थाना क्षेत्र के हंसपुरम गांव निवासी अजय पाठक ने स्थानीय थाना अध्यक्ष को एक प्रार्थना पत्र सौंपा है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें एक युवक द्वारा फोन पर गालियाँ दी गईं और जान से मारने की धमकी दी गई।

प्रार्थी अजय पाठक के अनुसार, 5 मई को दोपहर लगभग 12:30 बजे उनके मोबाइल नंबर पर एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को कुशाग्र द्विवेदी बताया और कहा कि

» युवक द्वारा फोन पर गालियाँ दी गईं और जान से मारने की धमकी दी गई

» पुलिस में की गई शिकायत

वह भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा है। फोन उठाते ही कुशाग्र द्विवेदी ने अजय पाठक को गाली-गलौज करनी शुरू कर दी और जब उन्होंने विरोध किया, तो वह और भड़क गया। प्रार्थना पत्र में उल्लेख है कि आरोपी ने कहा, नौबस्ता में रहना है तो मुझसे डर कर रहो, नहीं तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। साथ ही धमकी दी गई कि वह अजय पाठक को झूठे मुकदमों में फंसा देगा और अकेले में मिला तो जान से मार देगा।

प्रार्थी ने पुलिस से निवेदन किया है कि अगर भविष्य में उन्हें या उनके परिवार को किसी प्रकार की हानि होती है, तो उसका जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ कुशाग्र द्विवेदी होगा। उन्होंने आरोपी के खिलाफ तत्काल प्रभाव से एफआईआरदर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और कॉल डिटेल्स खंगाली जा रही हैं।

मेयर ने पूछा लखनऊ में 12 करोड़ आए और कानपुर नगर निगम में 3 करोड़ क्यों?

» मेयर प्रमिला पांडेय ने नगर निगम अफसरों की लगाई क्लास

औद्योगिक शहर कानपुर में विज्ञापन सहित अन्य मदों के टैक्स की हो रही लूट

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम क्षेत्र में विज्ञापन टैक्स की मची लूट और हेराफेरी मेयर ने सख्त रुख अपनाया है। मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय, मोतीझील स्थित समिति कक्ष में महापौर प्रमिला पांडेय की अध्यक्षता में विज्ञापन के संबंध में बैठक की गयी।

महापौर द्वारा विज्ञापन की आय के सम्बन्ध में पूछे जाने पर प्रभारी विज्ञापन राजेश कुमार ने अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में रू0 तीन करोड़ 23 लाख की आय हुई है। महापौर द्वारा लखनऊ में विज्ञापन से आय रू0 12 करोड़ होने के सम्बन्ध में प्रभारी विज्ञापन ने अवगत कराया कि कानपुर नगर निगम में विज्ञापन मद में आय वृद्धि हेतु टेण्डर प्रक्रिया अपना रहे हैं। नगर निगम को रू0 15 करोड़ प्रतिवर्ष तक की आय हो सकती है। पहले 52 बस सेल्टर से रू0 08 लाख की आय होती थी, अब रू0 72 लाख प्राप्त हो रहा है। ट्राफिक आईलैण्ड से पहले रू0 चार लाख आय होती थी, अब रू0 21 लाख का टेण्डर आया है। रूफ टॉप प्राइवेट विज्ञापनों से ही रू0 एक करोड़ 25 लाख की आय प्रतिवर्ष प्राप्त होने लगी है। पहले इसमें कोई आय प्राप्त नहीं होता था।

महापौर द्वारा लाल ईमली के पास मार्ग संकेतक पर विज्ञापन पट लगा होने निर्देश पर अपर नगर आयुक्त मो0 आवेश ने तत्काल आज ही विज्ञापन पट हटाये जाने हेतु निर्देशित किया।

महापौर द्वारा मेट्रो द्वारा विज्ञापन वसूली के सम्बन्ध में पूछे जाने पर प्रभारी विज्ञापन राजेश कुमार ने अवगत कराया कि मेट्रो के 350 विज्ञापन पट है एवं आगामी 05 वर्षो तक विज्ञापन से आय प्राप्त करने की छूट प्राप्त है।

महापौर ने स्मार्ट सिटी द्वारा लगाये गये यूरीनलों में गन्दगी व्याप्त होने एवं देख रेख न होने एवं यूरीनल के बदले दी गयी विज्ञापन की अनुमति के सम्बन्ध में प्रभारी विज्ञापन ने अवगत कराया कि पूर्व आयुक्त द्वारा जॉच हेतु एक समिति का गठन किया गया था, अग्रिम कार्यवाही की जानकारी नहीं है। महापौर द्वारा अवैध यूनीपोल एवं होर्डिंग्स के गार्डर के सम्बन्ध में पूछे जाने पर प्रभारी विज्ञापन राजेश कुमार ने अवगत कराया कि सभी सामग्री सुरक्षित रखी है एवं नीलामी के माध्यम से बेचा जाना है। बैठक में विज्ञापन विभाग के राजस्व निरीक्षक भी उपस्थित रहे।

गलत नीतियों के चलते जिम्मेदारों की उंगलियों पर नांचने को मजबूर शिक्षक

डॉक्टर, वैज्ञानिक बनाने वाले यूपी के सरकारी शिक्षक खुद बन गए कठपुतली

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। यह एक यांत्रिक प्रक्रिया की ओर इशारा करता है कि शिक्षकों को एक स्वतंत्र शिक्षाविद से एक रोबोटिक प्रणाली का हिस्सा बना दिया गया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य न केवल ज्ञान प्रदान करना है बल्कि छात्रों को सोचने, निर्णय लेने और जीवन में अपनी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है। जब शिक्षकों को इस प्रक्रिया में सीमित कर दिया जाता है और उन्हें सटीक रूप से बताया जाता है कि क्या पढ़ाना है, कैसे पढ़ाना है और किस आधार पर मापना है, तो यह उनकी रचनात्मकता और शिक्षण के प्रति समर्पण को बाधित करता है। यह एक ऐसी स्थिति उत्पन्न करता है जहां शिक्षक एक कठपुतली बनकर रह जाते हैं जिन्हें नीतियां और योजनाएं नियंत्रित करती हैं।

शिक्षक न केवल एक पाठ्यक्रम के कार्यान्वयनकर्ता हैं बल्कि वे छात्रों की मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक प्रगति के मार्गदर्शक भी हैं। उनका अनुभव और छात्र के प्रति उनकी समझ, उन्हें यह निर्णय लेने में सक्षम बनाती है कि छात्रों के लिए सबसे उपयुक्त क्या है लेकिन जब उनके हाथ बांध दिए जाते हैं और उनके फैसले नीति निर्माताओं और अधिकारियों द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं तो छात्रों को अनुकूलन और विविधता का लाभ नहीं मिल पाता।

आजकल शिक्षा नीतियां मुख्य रूप से डेटा संग्रह, मानकीकरण और परिणाम आधारित मूल्यांकन पर केंद्रित हैं। इस प्रक्रिया में शिक्षकों को तयशुदा पाठ्यक्रम पढ़ाने, अनुशासनात्मक सीमाओं का पालन करने और निर्धारित तरीके से छात्रों का आकलन करने के लिए बाध्य किया जाता है। यह एक यांत्रिक प्रक्रिया की ओर इशारा करता है जिसमें शिक्षकों को एक स्वतंत्र शिक्षाविद से एक रोबोटिक प्रणाली का हिस्सा बना दिया गया है।

एक शिक्षक को कठपुतली के रूप में देखना एक शिक्षाशास्त्रीय त्रासदी है।

यह न केवल उनकी स्वायत्तता का ह्रास करता है बल्कि उनके आत्मसम्मान और उनकी भूमिका की गहराई को भी प्रभावित करता है। शिक्षा में सुधार केवल तब संभव है जब शिक्षक स्वतंत्र रूप से सोचने और निर्णय लेने में सक्षम हों। नीतियों को इस प्रकार बनाया जाना चाहिए कि वे शिक्षक की स्वायत्तता को प्रोत्साहित करें।

शिक्षकों को उनकी क्षमता और अनुभव के आधार पर छात्रों की जरूरतों के हिसाब से निर्णय लेने की अनुमति दी जानी चाहिए। साथ ही प्रशासनिक दबाव को कम करके एक ऐसा वातावरण बनाया जाना चाहिए जिसमें शिक्षक बिना डर और दबाव के अपने कर्तव्यों का पालन कर सकें। शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है और शिक्षक उसका केंद्रीय स्तंभ हैं। यदि उन्हें कठपुतली बना दिया गया तो शिक्षा का मूल उद्देश्य नष्ट हो जाएगा। यह समय है कि शिक्षक अपनी गरिमा और स्वायत्तता को पुनः प्राप्त करें ताकि वे अपनी वास्तविक भूमिका निभा सकें और एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण कर सकें।

सम्पादकीय

यूएन की चेतावनी को नजरअंदाज न करें

इसमें दो राय नहीं कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में चुन-चुनकर मारे गए 26 लोगों की मौत ने पूरे देश के अंतर्मन को झकझोरा है। साथ ही इस घटनाक्रम से उपजे आक्रोश ने सरकार पर आतंकियों व उनके आकाओं को सबक सिखाने का दबाव भी बनाया है। जिसके चलते दोनों देशों की तरफ से तल्ख बयानबाजी का जो दौर शुरू हुआ, वो थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिसने दोनों देशों के संबंधों को निचले स्तर तक पहुंचा दिया है। जवाबी कार्रवाई के दबाव में स्थितियां खतरनाक स्थिति की तरफ बढ़ गई है। दोनों देशों की सीमाओं में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। तीखी बयानबाजी के बीच सैन्य ताकत को बढ़ाने के दावे किए जा रहे हैं। लगातार चिंताजनक होती स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से बयान आया है। दोनों पक्षों को अधिकतम संयम बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही कहा गया है कि तनाव का स्तर कम करने की कोशिश की जाए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का हस्तक्षेप और सुरक्षा परिषद के बंद कमरे में हुआ सलाह-मशविरा अंतर्राष्ट्रीय जगत की चिंता को ही रेखांकित करता है। निस्संदेह, संयुक्त राष्ट्र महासचिव की चेतावनी महज कूटनीतिक बयानबाजी नहीं है। निश्चित रूप से यह परमाणु हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच संघर्ष को टालने की महत्वपूर्ण कोशिश है। हालांकि, पाकिस्तान ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में ले जाकर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का उपक्रम किया था। लेकिन वैश्विक मूड हस्तक्षेप के बजाय तनाव कम करने पर केंद्रित नजर आया। इसमें दो राय नहीं कि अब तक भारत की ओर संयमित प्रतिक्रिया ने स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद ही की है। हालांकि, दंडात्मक कार्रवाई के लिये देश के भीतर बढ़ती मांग ने दिल्ली पर सैन्य विकल्पों पर विचार करने का दबाव जरूर डाला है। हालांकि देश के दीर्घकालीन हितों के मद्देनजर कूटनीतिक प्रयासों से समस्या के समाधान की कोशिश की जानी चाहिए। लेकिन इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जाता कि आंतरिक दबाव के चलते यदि सैन्य विकल्पों को प्राथमिकता दी जाती है, तो कालांतर इससे क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की शुरुआत हो सकती है। यह भी एक हकीकत है कि ऐसे मौके पर जब आतंकवादियों के क्रूर हमले में मारे गए लोगों के परिवार शोकाकुल हैं और जनता आक्रोशित है, संयम का आह्वान किसी को रास नहीं आएगा। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बड़े पैमाने पर संघर्ष को बढ़ावा देना कल्पना से अधिक तबाही ला सकता है। विगत का अनुभव हमें याद कराता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले युद्ध से न केवल जन-धन की व्यापक क्षति होती है बल्कि साथ में कूटनीतिक अलगाव और आर्थिक झटके भी मिलते हैं। इन हालात में यह जरूरी है कि दोनों देश बैक चैनल के जरिये कूटनीतिक प्रयास करें ।

समता व न्याय आधारित विकल्प के समक्ष चुनौतियां

डॉ. रामजीलाल

संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष तथा देश के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री डॉ. भीमराव अंबेडकर बहुमुखी प्रतिभा संपन्न शख्सियत थे। वे भारतीय समाज को दिशा देने वाले महापुरुषों में शामिल हैं। वे सामाजिक न्याय, जाति-पाति एवं छुआछूत उन्मूलन के प्रबल पैरोकार थे। अंबेडकरवादी विचारधारा वंचित वर्ग को न्याय दिलाने व समानता की पक्षधर है।

प्रत्येक देश में ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने मानवता को नई दिशा देकर सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, एवं राजनीतिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाई। इन महापुरुषों में डॉ. भीमराव अंबेडकर का नाम भी शामिल है। अधिकांश देशों में समाज के हाशिये पर रहने वाले लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। लगभग 150 देशों में उनकी जयंती मनाई जाती है। हाल ही में अमेरिका स्थित न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने घोषणा की है कि हर साल 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर दिवस मनाया जाएगा।

विश्व में डॉ. अंबेडकर की जयंती पर अनेक समारोह, सेमिनार, परिसंवाद आदि आयोजित किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय समाज में अंबेडकरवाद और उनके योगदान को कम करने के प्रयास जारी हैं। अंबेडकरवादी विचारों के विरोधियों द्वारा उनकी प्रतिमाओं पर अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891 - 6 दिसम्बर, 1956) भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, प्रसिद्ध वकील, भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भाषाविद्, राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, जाति-पाति एवं छुआछूत उन्मूलन के समर्थक, वंचित वर्ग के मसीहा व विषमता के विरुद्ध आंदोलन के समर्थक थे। डॉ. अंबेडकर के मुताबिक, महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तीकरण के बिना समाज का सुधार एवं विकास नहीं हो सकता। डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा समय-समय पर समाचार पत्रों, पुस्तकों, भाषणों, संविधान सभा की बहसों आदि में विभिन्न मुद्दों पर व्यक्त किए गए विचारों का व्यवस्थित रूप ही अंबेडकरवाद या अंबेडकर की सोच माना जाता है। अंबेडकरवाद की विचारधारा दुनिया के राजनेताओं से लेकर समाज के हाशिये पर मौजूद लोगों तक सभी का मार्गदर्शन करती है।

अंबेडकरवाद विचारों का एक समूह है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, मानवीय गरिमा, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, समाजवाद, और उपेक्षित वर्गों- दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, किसानों और कृषि श्रमिकों, श्रमिकों का सशक्तीकरण तथा ऐसे समतावादी समाज की स्थापना शामिल है, जहां बुनियादी जरूरतें -भोजन, आश्रय, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, काम का अधिकार और समान काम के लिए समान वेतन का हक- पूरी हों। अंबेडकरवादी चिंतन इस बात का समर्थन करता है कि महत्वपूर्ण उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण (राष्ट्रीयकरण) होना चाहिए। ऐसे में यह चिंतन इस दौर में प्रचलित उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण सहित निगमीकरण के विरुद्ध है। डॉ. अंबेडकर का समाजवादी चिंतकों में महत्वपूर्ण स्थान है।

अंबेडकरवाद ऐसे समाज की स्थापना की कल्पना करता है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का मूल्य जीवन के हर क्षेत्र में समान हो, न कि जन्म, जाति, क्षेत्र, धर्म, भाषा व लैंगिक आदि संकीर्णताओं के आधार पर।

असंभव भी संभव होता है सचेतना से

भारतीय क्रिकेट

प्रदीप मैगजीन

माइंडफुलनेस (सचेतन) नए युग का मंत्र है, वह जादुई औषधि जो आपको अतीत के तमाम दुखों और कल्पित दुखद भविष्य की चिंताओं से दूर रख सकता है। बुद्ध ने 2,500 साल पहले कहा था 'वर्तमान में जीओ, तमाम चिंताएं तिरोहित हो जाएंगी।' मन और शरीर, दो ऐसे स्तंभ, जिन पर इंसान का वजूद टिका है। एक खिलाड़ी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए चुने हुए खेल की मांगों के अनुसार अपने शरीर को परिपूर्ण बनाने में पूरा जीवन लगा देता है। मानव मन के असीम विस्तार में, ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है जिसे प्राप्त न किया जा सके। कोई व्यक्ति पलक झपकने भर में आल्प्स के ऊपर से उड़ने या हिमालय पर विजय पाने या निराशा की गहराइयों में गिरने की कल्पना कर सकता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर शरीर और मन एक सार हो जाएं, तो कोई भी बाधा, चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हो, उससे पार पाया जा सकता है।

दुनिया एक ऐसे सांचे की तरह है जिसमें मानव शरीर आकार लेता है और नए-नए विचार ढलते रहते हैं। यदि हम मान लें कि खेल जीवन का एक रूपक है तो हम महसूस करेंगे कि अगरचे मन और शरीर विपरीत उद्देश्यों से काम करेंगे, तो सफलता कभी हासिल नहीं हो सकती। खेल आपके भावनात्मक अनुकूलन की खामियों से निपटने में भी उतना ही कारगर है जितना कि आपके शारीरिक कौशल को परिपूर्ण बनाने में।

माइंडफुलनेस (सचेतन) नए युग का मंत्र है, वह जादुई औषधि जो आपको अतीत के तमाम दुखों और कल्पित दुखद भविष्य की चिंताओं से दूर रख सकता है। बुद्ध ने 2,500 साल पहले कहा था 'वर्तमान में जीओ, तमाम चिंताएं तिरोहित हो जाएंगी।' मैं नियमित रूप से एक बौद्ध ध्यान केंद्र जाया करता हूं, हैरानी की बात है कि वहां पर आने वालों में, युवा और बेचैन लोगों की संख्या उन लोगों की तुलना में अधिक होती है, जिनके अंदर उम्र जनित अनुभवों से अवसाद और असहायता बनती है। भविष्य का डर, ध्यान भटकाने वाले अंतहीन कारक और एक ऐसी दुनिया में जीना जिसमें मानवीय संपर्क बहुत कम है लेकिन वे व्यक्तिगत जान-पहचान विहीन सोशल मीडिया मित्र मंडल द्वारा चालित आभासीय दुनिया में विचरते हैं, यह सब उन्हें एक ऐसे रास्ते की तलाश करने के लिए मजबूर कर देता है, जो उन्हें उनके वर्तमान जीवन से नहीं मिलता।

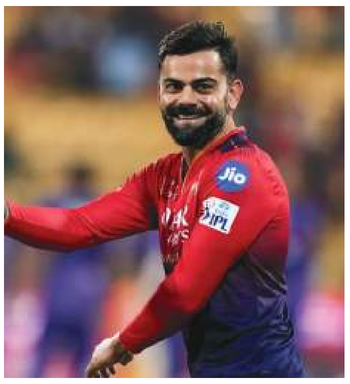

स्थिरता एवं पूर्ण-एकाग्रता बनाने का प्रशिक्षण लेने की चाह में वहां आने वाले ऐसे अनेक युवाओं में एक पेशेवर गोल्फ खिलाड़ी भी था। वह खेल में अपनी कमियों से जूझ रहा था, जिसका संबंध उसके अस्थिर मन और एकाग्रता की कमी से था। उसे मोक्ष की तलाश नहीं थी, बल्कि वह तो अपने मन को नियंत्रित रखने के तरीके खोज रहा था, ताकि गोल्फ़ कोर्स पर अपनी पूरी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन कर सके। कई सालों बाद मैं गेंदबाजों को बेतरह धुनने वाले और भारतीय क्रिकेट सबसे घातक बल्लेबाजों में से एक से मिला, जो अब खेल से सेवानिवृत्त हो चुका है और अपने जैसे अधिकांश लोगों की तरह अपना वक्त गोल्फ़ खेलने में बिताता है। कई लोग कहते हैं कि वह इतना अच्छा खेलता है कि गोल्फ का पेशेवर खिलाड़ी बन सकता है। मैंने उससे पूछा कि क्या उसने कभी पेशेवर गोल्फ़र बनने के बारे में सोचा? जवाब था 'नहीं, मैं अपने गोल्फ़ का लुत्फ़ उठाना चाहता हूं। अब और दबाव नहीं झेलना चाहूंगा।' टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में छह छक्के जड़ने वाले खिलाड़ी हों और दबाव की बात? सफलता की कीमत चुकानी पड़ती है।

बच्चों में बढ़ रहे हैं दिल के दौरे के मामले

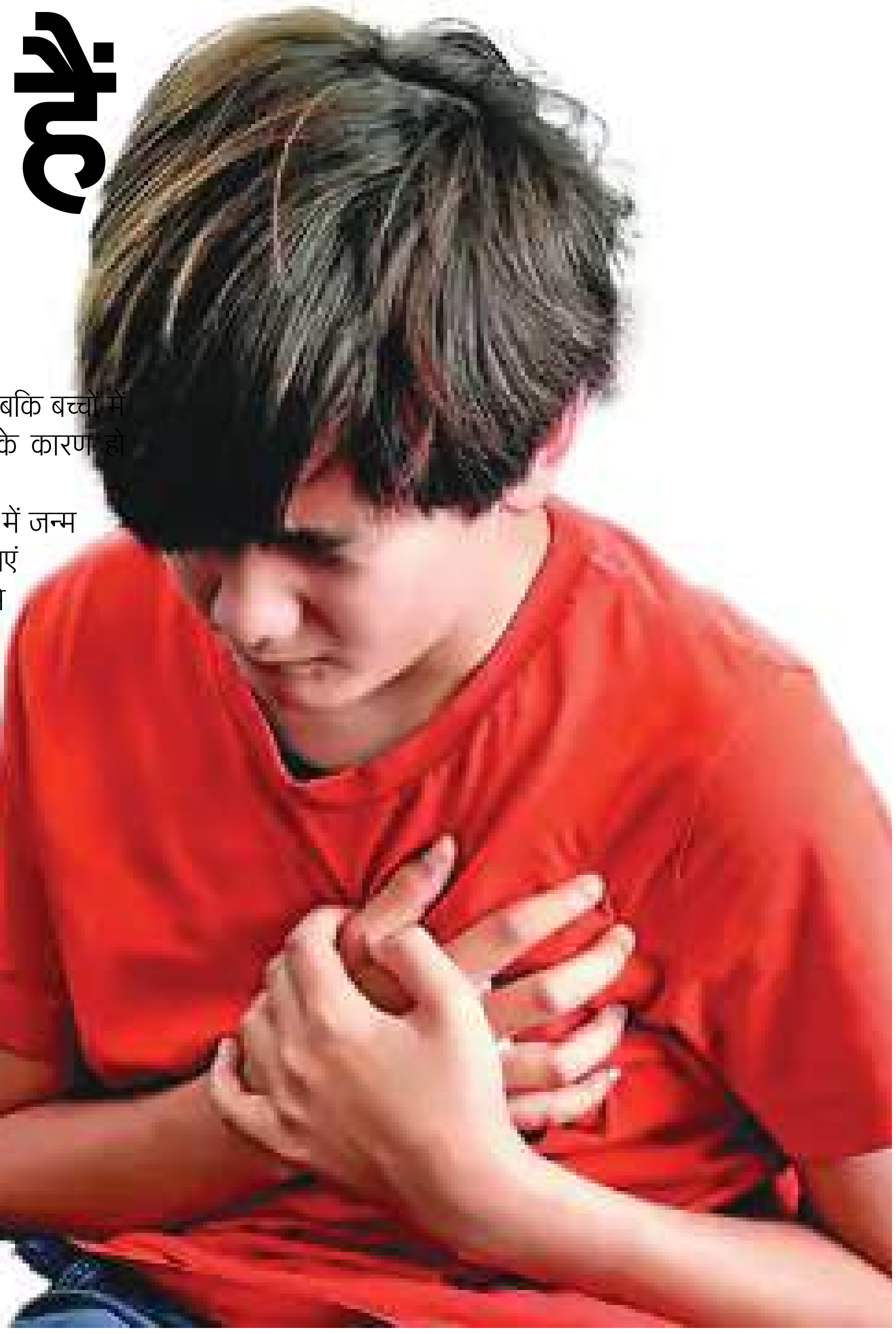

पहले 40 वर्ष से ऊपर के लोगों को दिल के दौरे का ख़तरा होता था परंतु अब छोटे-छोटे बच्चे भी इसकी ज़द में हैं। ऐसा क्या है जो हम नहीं समझ पा रहे हैं? इस चिंताजनक स्थिति पर ध्यान देना ज़रूरी है।बीते कुछ महीनों में छोटे बच्चों में हृदयाघात के कई मामले सुनने में आए हैं। एक बच्ची को चलते-चलते दिल का दौरा पड़ गया और वहीं उसकी जान चली गई। उसमें ना तो कोई लक्षण नज़र आए और ना ही वजह पता चली। बच्चों में हार्ट अटैक के मामले बहुत दुर्लभ होते हैं, लेकिन सडन कार्डियक अरेस्ट या अचानक दिल बंद हो जाना एक चिंताजनक समस्या बनती जा रही है। बच्चों में दिल से जुड़ी समस्याओं के कारण वयस्कों की तुलना में कुछ अलग होते हैं।

ये भी कारण हैं कमज़ोर दिल के

बच्चों में हार्ट अटैक के पीछे कई कारक हो सकते हैं, जिनमें कुछ जन्मजात और कुछ जीवनशैली से जुड़े हुए हैं-

हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी...

इसमें हृदय की मांसपेशियां असामान्य रूप से मोटी हो जाती हैं, जिससे दिल की धड़कन बहुत तेज़ हो सकती है और कार्डियक अरेस्ट का ख़तरा बढ़ जाता है। यह आनुवंशिक समस्या हो सकती है।

चैनलोपैथी.-शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे सोडियम और पोटैशियम को संतुलित करने वाले चैनल्स में गड़बड़ी के कारण दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है। इससे दिल बहुत तेज़ या बहुत धीमा धड़क सकता है, जिससे जानलेवा स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

धमनियों में रुकावट-हार्ट अटैक हृदय की धमनियों में रुकावट के कारण होता है। वयस्कों में यह आमतौर पर कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होता है, जबकि बच्चों में यह धमनियों के विकास में असामान्यता के कारण हो सकता है।

जन्मजात हृदय दोष-कुछ बच्चों के हृदय में जन्म से छेद होता है या उनकी रक्त वाहिकाएं असामान्य रूप से विकसित होती हैं, जिससे भविष्य में दिल की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

एएलसीएपीए सिंड्रोम-इसमें हृदय की मुख्य धमनी एओर्टा के बजाय पल्मोनरी आर्टरी से निकलती है, जो हार्ट अटैक का कारण बनता है।

संक्रामक रोग और सूजन-कुछ संक्रमण और ऑटोइम्यून रोग हृदय की मांसपेशियों में सूजन ला सकते हैं, जिसे मायोकार्डिटिस कहा जाता है। यह दिल को कमज़ोर कर सकता है और गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

आर्टरी में सूजन-कुछ बच्चों में आनुवंशिक कारणों से दिल की धमनियों में सूजन हो सकती है, जिससे रक्त संचार प्रभावित होता है। यह समस्या युवाओं और बच्चों में दुर्लभ होती है

दरकते रिश्ते

दाम्पत्य जीवन को संजोए रखना भी एक अहम पहलू है

कल्पना करें कि रूम साझा करने वाले दो लोग अपने-अपने हिस्से की ज़िम्मेदारियां पूरी करते हैं, हारी-बीमारी में मदद भी कर देते हैं। पर उन?के बीच गहरी दोस्ती जैसा गर्मजोशी भरा रिश्ता नहीं होता। अगर पति-पत्नी भी ऐसे रूममेट्स की तरह हो जाएं तो...?

तन्वी की ज़िंदगी घर, दफ़्तर और बच्चों के बीच घूमती है। उसके पति अरुण की भी यही दिनचर्या है। पहले वे हर सप्ताहांत बाहर जाते थे, लेकिन समय के साथ उनकी बातचीत सिर्फ़ दैनिक कार्यों तक सीमित रह गई है और उनमें व्यक्तिगत या भावनात्मक स्तर पर संवाद न के बराबर रह गए हैं। हालात यहां तक हो गए हैं कि दोनों ख़ाली समय में भी एक-दूसरे के साथ नहीं बैठते हैं।

यह स्थिति 'रूममेट सिंड्रोम' कहलाती है। ये वह स्थिति है जब एक समय में प्रेम और गहरे जुड़ाव में रहे दो साथी भावनात्मक दूरी बना लेते हैं। हालांकि वे साथ रहकर ज़िम्मेदारियां तो साझा करते हैं, लेकिन उनमें एक स्वस्थ संबंध और निकटता की कमी होती है। वे व्यावसायिक साझेदार की तरह व्यवहार करने लगते हैं। यह कुछ-कुछ 'आई-इट' संबंधों की तरह होता है। जैसे अंग्रेज़ी में 'इट' सर्वनाम वस्तु को इंगित करने के लिए प्रयुक्त होता है, वैसे ही इस तरह के रिश्ते में लोग एक-दूसरे को केवल औपचारिक या उपयोगिता वाले रूप में देखते हैं। जब साथी भावनात्मक निवेश करना बंद कर देते हैं तो रिश्ता केवल लेन-देन बन जाता है।रूममेट सिंड्रोम पश्चिम की शब्दावली है। अमेरिका और यूरोप में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता की भावना अधिक होने के चलते लोग संबंध में ठंडेपन को आसानी से पहचान जाते हैं। लेकिन भारत जैसे एशियाई देशों में इस स्थिति को महसूस कर पाना थोड़ा मुश्किल होता है। दरअसल, परिवार केंद्रित समाज होने के कारण पति-पत्नी एक समय के बाद पारिवारिक-सामाजिक ज़िम्मेदारियां निभाने को ही दांपत्य मान लेते हैं और उन्हें एहसास ही नहीं हो पाता कि कहीं कुछ कमी या अधूरापन है।बावजूद इसके अधूरापन तो होता ही है जो अंततः रिश्ते से जुड़ी संतुष्टि को प्रभावित करता है। संबंध चाहे रूमानी हो या दांपत्य जैसा सामाजिक, उसमें अंतरंगता और जुड़ाव बनाए रखने के लिए सक्रिय प्रयास और सहभागिता की आवश्यकता होती है। दंपती के रूममेट बन जाने का अर्थ है वे जीवनसाथी वाली निकटता के बजाय दो परिचितों की औपचारिकता के साथ रहने लगते हैं।

कैसे हटेगी यह अदृश्य दीवार?

सबसे पहले तो कुछ समय ठहराव, आत्मावलोकन और आत्ममंथन के लिए सुनिश्चित करें। ईमानदारी से देखें कि आपका रिश्ता किस स्थिति में पहुंच गया है। उसके कारणों की पड़ताल करें। साथी को पूरी तरह दोषी ठहरा देने के बजाय अपने हिस्से के कारणों पर मंथन करें।हर चीज़ पर बहस करने से बचें और एक-दूसरे को समझने का प्रयास करें। खुलकर संवाद करें। एक-दूसरे को नए नज़रिए से देखें (या आरंभिक दिनों की अंतरंगता और लगाव को भी याद कर सकते हैं।)। भविष्य के सपनों को साझा करें।भावनात्मक रूप से पुनः जुड़ें। हल्के स्पर्श, हाथ पकड़ना, अचानक आलिंगन को अपनाएं। साझा रुचियों को खोजें, साथ में नए अनुभव लें, नई जगह घूमें, साथ में कुकिंग करें। रिश्ते की शुरुआत में दिए गए नामों को याद करें। जब भी मौक़ा मिले, एक-दूसरे की खुलकर प्रशंसा करें।एक-दूसरे की कोशिशों को पहचानें और सराहना करें। साथी से मदद मांगने में संकोच न करें।

कभी-कभी उन कामों में भी सहयोग या सलाह मांग लें, जिन्हें आप अकेले ही कर सकते/सकती हैं। इससे साथी को महत्वपूर्ण महसूस होगा। क़्वालिटी टाइम बिताने के लिए 'नो-फोन ज़ोन' बनाएं।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर सुरक्षा बलों ने चलाया चेकिंग अभियान

फ्लैग मार्च कर यात्रियों को कराया सुरक्षा का अहसास

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। पहलगाम घाटी, श्रीनगर में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 27 भारतीय नागरिकों की शहादत और इसके जवाब में भारतीय सेना व वायुसेना द्वारा 6 मई की रात्रि को की गई एयर स्ट्राइक के बाद देशभर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। इसी कड़ी में 7 मई को कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर सुरक्षा बलों द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया और फ्लैग मार्च किया गया।

प्रयागराज मंडल के उच्चाधिकारियों के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में आरपीएफ मुख्यालय टीम, स्थानीय आरपीएफ, जीआरपी, एलआईयू, बीडीडीएस, सिविल पुलिस और स्टेशन पर तैनात बलों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। अभियान के दौरान स्टेशन क्षेत्र और सभी प्लेटफॉर्म्स पर गहन तलाशी ली गई। यात्रियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए उनके सामान की जांच की गई।

सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और टीम वर्क के चलते स्टेशन पर किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं पाया गया। पूरी कार्रवाई शांति और संयम के साथ संपन्न हुई।अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के अभियान आगे भी समय-समय पर जारी रहेंगे ताकि यात्रियों को सुरक्षित माहौल प्रदान किया जा सके।

कानपुर महानगर के समग्र विकास के लिए मेयर ने की बैठक

» आयुक्त, कानपुर मण्डल, नगर आयुक्त, नगर निगम और केडीए सचिव की संयुक्त अध्यक्षता में हुई बैठक में कई विभाग शामिल

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम मुख्यालय स्थित सभागार कक्ष में महापौर, आयुक्त, कानपुर मण्डल, कानपुर एवं नगर आयुक्त, नगर निगम की संयुक्त अध्यक्षता में कानपुर महानगर के समग्र विकास हेतु विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित किये जाने हेतु बैठक की गयी।

महापौर प्रमिला पांडेय ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर में अतिक्रमण अभियान चलाया जा रहा है, उस पर पुनः अतिक्रमण न हो, पुलिस इसकी जिम्मेदारी लें। नगर निगम द्वारा इस बार नाले पर अतिक्रमण हटाते हुए नाला सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है, किन्तु पुलिस विभाग का सहयोग नही मिल पा रहा है, लाल ईमली के पास अवैध शराब की दुकाने पुनः लग गयी। प्रतिदिन फोटो एवं वीडियोग्राफी भी करायी जा रही है।

आयुक्त, कानपुर मण्डल के विजयेन्द्र पांडियन ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अतिक्रमण एक गंभीर समस्या है और काफी परेशानियों के बाद अतिक्रमण हटता है, 2-3 बार नोटिस देना पड़ता है, फिर अतिक्रमण हटता है। सरकारी सम्पति, सड़क, नाली खंडजा पर अतिक्रमण न हो, स्थानीय थाने की जिम्मेदारी होती है कि दोबारा अतिक्रमण न हो, ठोस कार्यवाही नही होनी चाहिए। अतिक्रमण एक बहुत बड़ी बाधा होती हैं। कानपुर नगर निगम एवं कानपुर विकास प्राधिकरण मिलकर कार्य करें। अभी तक जो अतिक्रमण हटाया गया है, उसकी सूची उपलब्ध करा दें, इसमें एक सिटी मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की जायेगी। महापौर द्वारा कानपुर नगर निगम सीमान्तर्गत सिंचाई विभाग की नहरों पर अतिक्रमण और उसमें कूड़ा डाले जाने के सम्बन्ध मे पूछे जाने पर अधिशाषी अभियन्ता सिंचाई विभाग मनोज कुमार ने अवगत कराया नौरैयाखेड़ा से सीटीआई हलुआखाड़ा होते हुए जाने वाली नहर 0-11 किलोमीटर नगर निगम सीमा में पड़ती है, नहरो की सफाई के लिये वर्ष में एक बार शासन से धन मिलता है। कूड़ा हटवाने की जिम्मेदारी सिंचाई विभाग की नहीं है, सिचाई विभाग की 06 निष्प्रयोज्य नहरे है, जिसमें सिंचाई का कार्य बन्द हो गया है।आयुक्त, कानपुर मण्डल के विजयेन्द्र पांडियन ने निर्देशित करते हुए कहा कि रोजाना कूड़ा पड़ने से कूड़े का भण्डार बन जाता है, सिल्ट अलग विषय है, इससे बीमारियाँ फैलती है।

महापौर ने सिंचाई विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जो 06 निष्प्रयोज्य नहरे उसका अतिक्रमण हटाकर नगर निगम को हस्तानान्तरित करा दें।

महापौर ने टेनरी से निकलने वाले अपशिष्ट के सम्बन्ध में पूछे जाने पर क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अजीत कुमार सुमन ने अवगत कराया कि टेनरी से निकलने वाले अपशिष्ट को एरीगेशन चैनलों के माध्यम से निस्तारित किया जाता है, इसमें घरेलु उत्प्रवाह भी आ जाता है, जिससे एसटीपी पर दबाव पड़ता है। महापौर द्वारा जगह-जगह फैक्टरियों से निकलने वाले धुएं के सम्बन्ध में पूछे जाने पर क्षेत्रीय अधिकारी अजीत कुमार सुमन ने अवगत कराया कि शहर में कई स्थानों पर एपीसीडी (एयर पोल्यूशन कन्ट्रोल डिवाइस) लगवा रहे है, जिससे लेड फैक्टरियों पर काफी रोक लगी है। साथ ही जाजमऊ, पनकी, दादानगर, फर्रूखाबाद, के लिये अलग-अलग टीमे बनायी गयी है। जो प्रतिदिन निरीक्षण कर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। गंगा में प्रदूषण हमारे मानको के अनुरूप है। कानपुर में 16 नाले है, जिसमें 11 नाले टेप है। हेजार्डस प्रदूषण के लिये कानपुर देहात में 02 प्लान्ट है।

महापौर ने निर्देशित करते हुए कहा कि रात्रि में गंगा में टेनरियों और जूते उद्योगों का छोटे-छोटे चमड़े के टुकड़े गंगा में डाल दिये जाते है, जिससे गंगा का रंग कभी नीला तो कभी लाल हो जाता है, इसकी

जॉच कर कार्यवाही करें। महापौर द्वारा एसटीपी के सम्बन्ध में पूछे जाने पर मुख्य अभियन्ता जल निगम मनोज कुमार ने अगवत कराया कि जाजमऊ में 10 एमएलडी ले जायेंगे हमारे कई एसटीपी अभी निर्माणाधीन है, अब कोई नाला अनटैप नहीं रहेगा। बिजली की समस्या के लिए एलएनजी कम्पनी से बात हुई है। आयुक्त, कानपुर मण्डल के विजयेन्द्र पांडियन ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए बिना ट्रीट किये पानी सीधे गंगा में नही जाना चाहिए। ट्रीट करने की जिस विभाग के पास कार्य है, उसी की जिम्मेदारी होगी। एनजीटी में आप कुछ छुपा नहीं सकते है। बिजली के लिये डीजल जेनरेटर की व्यवस्था रखे।कानपुर सेतु निगम के कार्यो के सम्बन्ध मे पूछे जाने पर सेतु निगम के ए0के0 सागर ने अवगत कराया कि कानपुर नगर में जयपुरिया क्रासिंग पर ओवर ब्रिज एवं दादानगर क्रासिंग पर ओवर ब्रिज निर्माणाधीन है, जो जून 2025 में पूर्ण हो जायेगा। आगे हमारा प्रोजेक्ट पनकी पड़ाव क्रासिंग, जरीब चौकी, शुक्लागंज पुराना गंगा पुल के बगल में नया पुल, टाट मिल चौराहा के बगल में एक और रेलवे ओवर ब्रिज प्रस्तावित है, जिस पर कार्य प्रारम्भ होना है।

महापौर द्वारा वार्ड 14 जूही में सीवर लाईन 12 फुट ऊपर डाल दिये जाने के सम्बन्ध में पूछे जाने पर प्रोजेक्ट मैनेजर, उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन अरविन्द मीणा ने कहा कि इस पर जॉच कराकर जो भी कार्य होगा उसे कराया जायेगा। साथ मा0 महापौर जी द्वारा विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के आगे एस0पी0एस0 हॉस्पिटल को बदलकर आवास विकास या इन्दिरा नगर रखे जाने एवं नयागंज स्टेशन से नयागंज स्थान दूर होने के कारण जनता के भ्रमित होने के सम्बन्ध में पूछे जाने पर प्रोजेक्ट मैनेजर अरविन्द मीणा ने कहा कि यदि आपकी तरफ से प्रस्ताव आता है, इसे मेट्रो स्टेशनों का नाम परिवर्तित करा दिया जायेगा। मा0 महापौर ने केस्को अधिकारियों से कहा कि आपके लगाये अन्डरग्राउन्ड बाक्स से जनता परेशान हो रही है एवं मर रही है।नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा कि केस्को ने पूरे शहर में कनेक्शन बाक्स सड़क के बीच में कही सड़क के किनारे लगा दिये है, जो दुर्घटना का कारण बन रहे है और नगर निगम से न तो पूछते है और न ही अवगत कराते है कि कहॉ लगा रहे है।

अधिशाषी अभियन्ता केस्को सुशील कुमार ने कहा प्रबन्ध निदेशक केस्को से वार्ता करके समाधान करायेंगे। महापौर द्वारा जल निगम के अमृत योजना के सम्बन्ध में पूछे जाने पर प्रोजेक्ट मैनेजर, जल निगम मोहित चक ने अवगत कराया गया कि अमृत योजना के अन्तर्गत गीता नगर में 24 घंटे पानी सप्लाई हेतु 30 किलोमीटर लाईन डाली जानी है, साथ ही 1400 घरो का कनेक्शन भी होना हैं। साथ ही कल्याणपुर उत्तरी, कल्याणपुर दक्षिणी, रतनपुर, ख्योरा, नानकारी में भी अमृत योजना से जलापूर्ति लाईन का कार्य होना है।

भूगर्भ जल की शुद्धता के सम्बन्ध में महाप्रबन्धक जलकल आनन्द कुमार त्रिपाठी ने अगवत कराया कि सरायमीता में अमोनिया एवं जूही राखी मण्डी में भूगर्भ जल में मरकरी पायी गयी है, जूही राखी मण्डी में जलकल से जलापूर्ति की जा रही है, भूमि रेलवे की है एवं झोपड़पटटी है। व्यावसायिक वाहनों से सड़को के खराब होने के सम्बन्ध में पूछे जाने पर परिवहन अधिकारी रामकेन्द्र कुमार सिंह ने अवगत कराया कि खनिज वाले वाहनों पर ओवरलोड होने पर 80 हजार से डेढ़ लाख तक का जुर्माना लगाते है। अन्य सामग्री वाले पर वाहनों पर जानकारी होने पर कार्यवाही करते है। कानपुर में 41 हजार व्यावसायिक वाहन पंजीकृत है। शहर में 12-14 विद्यालय ऐसे है, जो अभिभावको को परेशान करते है। इस पर भी कार्यवाही करा रहे है।

बैठक में एडीसीपी ट्रैफिक अर्चना सिंह, अपर नगर आयुक्त, नगर निगम मो0 अवेश, अनूप वाजपेयी, मुख्य अभियन्ता पीडब्ल्यूडी रवि दत कुमार, मुख्य अभियन्ता, नगर निगम सैय्यद फरीद अख्तर जैदी, एडी स्वास्थ्य डा0 संजीव अग्रवाल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम डा0 चन्द्रशेखर इत्यादि भी उपस्थित रहे।

मेयर ने केडीए सचिव से पूछे कई सवाल

महापौर ने तालाब, चारागाह की भूमि के सम्बन्ध में पूछे जाने पर सचिव, कानपुर विकास प्राधिकरण अभय कुमार पाण्डेय ने अवगत कराया कि इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट, 85 ग्रामों की भूमि पर जो तालाब थे, उन पर कोई आवासीय योजना नहीं लायी गयी है। अतिक्रमण की सूचना प्राप्त होने पर कार्यवाही करते है। शासनादेश के अनुसार चारागाह भूमि यदि शहरी क्षेत्र में है, तो जिलाधिकारी की अनुमति से अन्य प्रयोग में ले सकते है। महापौर ने कहा कि अभी परसो 5 लोग बिल्डिंग में आग लगने से जलकर मर गये। नगर निगम द्वारा वहाँ का अतिक्रमण हटाया गया था, जिसके कारण बिल्डिंग तक अग्निशमन की गाड़ियाँ पहुँच पायी। संकरी गलियों 6 मंजिल, 8 मंजिल की बिल्डिंग बन रही है, बिना नक्शे के कैसे बन रही है, दिल्ली में बेसमेन्ट में पानी भरने से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रो की मृत्यु हो गयी। कानपुर में सैकड़ो बिल्डिंग बन गयी है, इसकी जॉच कौन करेगा ? तालाब, चारागाह, सड़क, फुटपाथ पर अतिक्रमण हो रहा है, कौन रोकेगा ?

सचिव, कानपुर विकास प्राधिकरण अभय कुमार पाण्डेय ने अवगत कराया कि जहाँ पर घटना हुई है उसी के पास चमनगंज में 20 से अधिक बिल्डिंग सील की गयी थी।

आयुक्त, कानपुर मण्डल के विजयेन्द्र पांडियन ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कानपुर नगर निगम एवं कानपुर विकास प्राधिकरण दोनों को एक साथ काम करना होगा। व्यावसायिक स्थल कई प्रकार के होते है, घरेलु, छोटे, बड़े इत्यादि। नये क्षेत्रों में तो काफी व्यवस्थाये होती है, किन्तु पुराने क्षेत्रों संकरी गलियों कई प्रकार की समस्याएं आती है। गर्मी में आग भी तेजी के साथ फैलता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

फंदे पर लटका मिला विवाहिता का शव

» दहेज हत्या का आरोप

» पति बोला- प्रेग्नेंसी टेस्ट निगेटिव आने के बाद तनाव में थी पत्नी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सेन पश्चिम पारा में विवाहिता का शव फंदे पर लटका मिला। मायके वालों ने दहेज के लालच में मारपीट करने व हत्या का आरोप लगाया है। वहीं पति का कहना है कि एक बार गर्भपात के बाद तीन दिन पहले पत्नी ने प्रेग्नेंसी टेस्ट किया था।

रिजल्ट निगेटिव आने पर वह तनाव में थी और फांसी लगाकर जान दे दी। यशोदा नगर स्वर्ण जयंती विहार निवासी अनुज द्विवेदी की शादी 26 अप्रैल 2024 को यशोदा नगर के ही गोपाल नगर की 30 वर्षीय जागृति से हुई थी। मेडिकल स्टोर संचालक अनुज के परिवार में मां उर्मिला, छोटा भाई अमित और दो बहनें हैं,

जिनकी शादी हो चुकी है। जागृति के पिता राकेश, मां मनोरमा ने कहा कि बेटी ने फांसी नहीं लगाई, उसकी हत्या की गई है। भाई अमित व भाभी ज्योति ने बताया कि अनुज का मेडिकल स्टोर है, लेकिन वह सट्टा भी खेलता है। पैसे हारने पर उसने 4 माह पहले ही जागृति पर दबाव बनाकर 15 हजार रुपये लिए थे।

अभी हाल में ही उसने मारपीट की थी और जागृति का मोबाइल छीन लिया था, जिससे वह परिजनों को कुछ बता न सके। अक्सर प्रताड़ित करता और दहेज में रुपयों की मांग करता था। जागृति की बहनों रुचि व सुचि ने बताया कि अनुज ने घटना की जानकारी पिता व भाई को न देकर भाभी ज्योति को दी। इसी से उस पर संदेह हुआ। वहीं अनुज के अनुसार छह माह पहले पत्नी का गर्भपात हो गया था। उसकी हालत बिगड़ने पर रीजेंसी में भर्ती कराया था। उसके बाद प्रेगनेंसी का इलाज चला। अभी तीन दिन पहले जागृति ने प्रेगनेंसी का टेस्ट किया था, लेकिन रिजल्ट निगेटिव आया। इससे वह तनाव में थी। तनाव के चलते रविवार शाम जब मां किदवई नगर बाजार गई और भाई बाहर था। खुद को अकेला पाकर उसने फांसी लगा ली। पत्नी तनाव में कोई गलत कदम न उठा ले, इसलिए जब उसे जानकारी हुई कि वह अकेली है तो उसने उसे कई बार फोन किया, लेकिन नहीं उठा। आखिर में उसने पड़ोसी को भेजा तो दरवाजा न खुलने की सूचना मिली। इस पर भागकर घर पहुंचा तो उसे फंसे से लटका देखकर सन्न रह गया। पुलिस के अनुसार परिजनों ने आरोप लगाया है, तहरीर के आधार पर कार्रवाई होगी।

रूरा मोड़ पर काल बनी रफ्तार: शादी में जा रहे दो युवकों की मौके पर मौत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। शिवली-रसूलाबाद मार्ग पर रूरा मोड़ के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो चचेरे भाइयों की जान चली गई। जोगीडेरा रास्तपुर गांव के राहुल (27) और मुल्ला (25) अपने चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए बाइक से विधूना के सरैया गांव जा रहे थे। रास्ते में एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें सीएचसी शिवली पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।इस हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। राहुल की मां शकुंतला, बहनें मांशू और रवीना तथा मुल्ला की पत्नी पल्लवी, भाई राजा और बहन शिवानी का रो-रोकर बुरा हाल है।

शिवली कोतवाल हरमीत सिंह के अनुसार, शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
● आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
● वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
● C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
● ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
● डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा
आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बीजी0ए0 मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;चण्प्ब्न्ण्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर
विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

शादी के मंडप से लापता युवती का प्रेमी के साथ लटका मिला शव

» घटनास्थल से मृतक युवक की बाईक व सुसाइड नोट बरामद हुआ

» सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। शादी के मंडप से प्रेमी के साथ लापता हुई युवती व उसके प्रेमी का शव गाँव के बाहर स्थित एक आम की बाग़ में शादी की ढेरुवा साड़ी से लटकता मिला सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा फारसेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्रित किया है घटनास्थल से मृतक युवक की बाईक व सुसाइड नोट बरामद हुआ है। मसौली थाना क्षेत्र के ग्राम लालपुर मजरे भरथीपुर मे बुधवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब गांव से करीब 5 सौ मीटर की दूरी पर स्थित मायाराम चौहान की आम की बाग़ मे एक ही साड़ी के फंदे से एक युवती व युवक का शव लटकता मिला जंगल मे लगी आग की तरह फैली खबर देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ लग गयी सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रेमी युगल के शव को उतरवा कर कब्जे मे ले लिया।

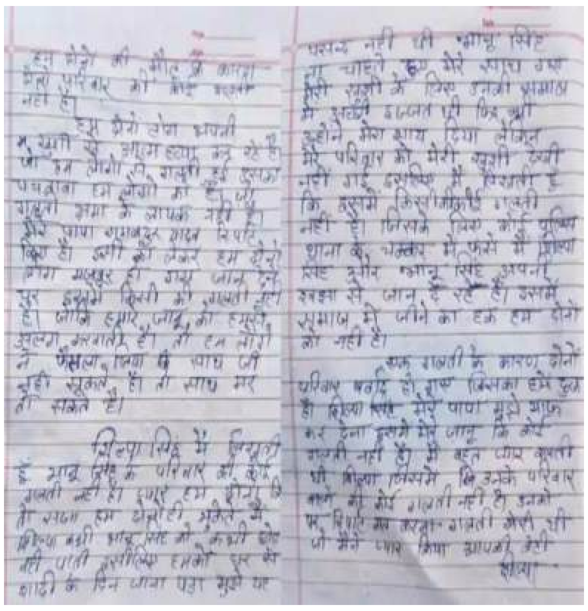

प्रेमी युगल की शिनाख्त 22 वर्षीय शिल्पा यादव पुत्री राज बहादुर यादव व 28 वर्षीय भानू प्रताप सिंह पुत्र पारसनाथ सिंह निवासी लालपुर मजरे भरथीपुर के रूप मे हुई। पुलिस ने फारसेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित करते हुए शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शादी के मंडप से प्रेमी के संघ फरार हुई थी युवती 5 मई को शिल्पा यादव की शादी थी सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम प्यारेपुर सरैया निवासी राकेश यादव का पुत्र सुनील कुमार बैंड बाजे के साथ बारात लेकर आया था घरातियों ने जोरदार स्वागत सत्कार किया।

और द्वारपूजा के दौरान अचानक दुल्हन बनी शिल्पा अपने प्रेमी भानुप्रताप सिंह के साथ फरार हो गई ।

शिल्पा के गायब होने का पता चलते ही वधू पक्ष मे हड़कंप मच गया लेकिन बात बनाने के लिए शिल्पा के पिता ने अपने छोटे भाई धर्मराज की पुत्री के साथ विवाह की रस्म अदा कर विदाई की थी।

घटनास्थल से मिला सुसाइड नोट

प्रेमी युगल के पास से मिले सुसाइड नोट मे युवती शिल्पा की तरफ लिखा हुआ है कि हम दोनो की मौत मे दोनो परिवारों की कोई गलती नही है हम दोनो लोग एक साथ जी नही सकते है तो एक साथ मर सकते है। घटनास्थल से मृतक भानुप्रताप सिंह की बाइक भी बरामद हुई है।

फारसेंसिक टीम के साथ सीओ ने घटनास्थल का लिया जायजा दोनो परिजनों से की पूछताछ

बुधवार की सुबह मिली दिल दहला देने वाली सूचना पर थाना मसौली, रामनगर, बदोसराय की पुलिस के साथ पहुंची क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंथ ने फ़ारसेंसिक टीम से साक्ष्य एकत्रित किया तथा मृतक प्रेमी युगल के परिजनों से पूछताछ की।

ऑपरेशन सिंदूर: पाकिस्तान पर मिसाइलों की बरसात

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। भारतीय सेना ने एक बार फिर अपने अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए बुधवार तड़के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का करारा जवाब दिया। इस जवाबी कार्रवाई में सेना ने पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर एकसाथ मिसाइल हमला कर उन्हें पूरी तरह तबाह कर दिया। इस सैन्य कार्रवाई को卐ऑपरेशन सिंदूर卐 नाम दिया गया, जो 7 मई 2025 की रात ठीक 01:28 बजे अंजाम दिया गया।

हमले के बाद पूरे देश में उत्साह और गर्व की लहर दौड़ गई है। अयोध्या की पवित्र भूमि पर भी इसका खासा असर देखने को मिला। रामनगरी में साधु-संतों से लेकर आम नागरिकों ने भारतीय सेना के इस कदम का स्वागत करते हुए जश्न मनाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व सेना को धन्यवाद दिया।

सन्तो ने कहा अब पाकिस्तान भी बन जाएगा हिंदुस्तान

साधु-संतों की प्रतिक्रिया भी पढ़िए

संत समाज ने एकजुट होकर इस हमले को मुंहतोड़ जवाब बताया। साधु संतों ने कहा, ये केवल जवाब नहीं, आतंक के खिलाफ एक संदेश है। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को उसके हर कुकर्म का हिसाब दिया जाए।

इकबाल अंसारी ने क्या कहा

अयोध्या के वरिष्ठ मुस्लिम समाजसेवी और बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने भी सेना की कार्रवाई का खुला समर्थन किया। उन्होंने कहा,हमारे देश की सुरक्षा सर्वोपरि है। पाकिस्तान ने कायरता दिखाई, अब उसे भुगतना पड़ेगा। अगर उसका यही रवैया रहा तो आने वाले समय में पाकिस्तान का नाम भी हिंदुस्तान ही होगा।

इकबाल अंसारी ने कहा कि भारत की फौज हमेशा आगे रही है और आगे भी रहेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आतंक को खत्म करने की दिशा में यह एक निर्णायक कदम साबित होगा।

ऑपरेशन सिंदूर-हमे सेना पर गर्व है-सत्यभान सिंह

अयोध्या। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की गई। शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी ने सेना की कार्रवाई को सराहते हुए कहा कि अब पाकिस्तान को सख्त सबक मिलना चाहिए। ट्रस्ट की वरिष्ठ ऋतु सिंह राठौर ने कहा कि सेना ने उजड़े सिंदूर का बदला लिया है। राजीव श्रीवास्तव और डॉ. नीरज सिन्हा ने भी पाकिस्तान पर सख्त रुख अपनाने की मांग की।

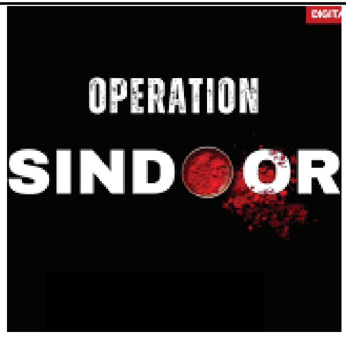

अयोध्या में जश्न का माहौल

अयोध्या में मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई, दीप जलाए गए और लड्डू बांटे गए। रामलला दरबार में विशेष आरती का आयोजन कर भारतीय सेना की सफलता के लिए प्रार्थना की गई। नागरिकों ने तिरंगे के साथ रैली निकालकर देशभक्ति के नारे लगाए। ऑपरेशन सिंदूर ने देशवासियों को गर्व से भर दिया है। अयोध्या जैसे धार्मिक शहर में इस तरह की एकता और समर्थन यह साबित करता है कि आतंक के खिलाफ पूरा भारत एकजुट है। अब देश की निगाहें आगे की रणनीति और पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पर टिकी हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा पर भड़का युवक, किशोर को चाकू से किया घायल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

शाहजहांपुर। ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा पर भड़के युवक ने किशोर को चाकू से प्रहार कर घायल कर दिया और पाकिस्तान के समर्थन में लगाए नारे, घायल किशोर को देखकर लोगों ने आरोपी को मौके पर पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। इस दौरान हिन्दू संगठनों ने घटना का विरोध जताते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुई आतंकी घटना के विरोध में मंगलवार रात भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान की जमीन पर आतंकियों के नौ ठिकाने ध्वस्त कर दिए गए।

इसी को लेकर गल्ला मंडी में बुधवार को चर्चा चल रही थी। लोग सरकार और भारतीय सेना के शौर्य पराक्रम की सराहना कर रहे थे इस चर्चा में शामिल होते हुए नगर के निगोही रोड निवासी 9 वर्षीय सुरजीत पुत्र रामबहादुर ने भी खुशी जाहिर की, इसी दौरान पास में ही खड़े गैर समुदाय के युवक ने पाकिस्तान के समर्थन में नारेबाजी कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने सुरजीत को चाकू मारकर घायल कर दिया। आरोप है कि बचाने आए बबलू नाम के युवक के साथ गैर समुदाय के आढ़ती ने मारपीट कर दी। इस दौरान मंडी में माहौल काफी गर्म हो गया, बताया जाता है कि लोगों ने मंडी का गेट बंद कर दिया और हमलावर युवक को दौड़ाकर पकड़ लिया, साथ ही मारपीट कर उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

देखते ही देखते उक्त घटना क्षेत्र में आग की तरह फैल गई और हिन्दू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह व मंडल उपाध्यक्ष सुभाष सिंह समेत अन्य पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए जिन्होंने विरोध करते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

आरएसएस, हिंयुवा, भाजपा, विहिप ने जताया विरोध

घटना की जानकारी होने पर सबसे पहले हिन्दू युवा वाहिनी जिलाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह व मंडल उपाध्यक्ष सुभाष सिंह मौके पर पहुंचे, इसके अलावा आरएसएस पदाधिकारी विनोद कश्यप, शम्भू सिंह, भाजपा जिला मंत्री आदित्य चौहान, उमांश सह खंड कार्यवाह ने कोतवाली पहुंचकर जमकर पाक विरोधी नारेबाजी कर अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं विहिप उदयराज सिंह ने भी उच्चाधिकारियों से वार्ता कर कड़ी कार्रवाई के लिए कहा।

रेड अलर्टः यूपी के शहरों में होगा ब्लैक आउट, मॉक ड्रिल के लिए हो जाइए तैयार

शाम को बजेंगे सायरन, होगी हवाई हमलों से बचाव की तैयारी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच बुधवार को हवाई हमलों से बचने के लिए यूपी में मॉकड्रिल होगी। सिविल डिफेंस, अग्निशमन, स्वास्थ्य समेत अन्य विभाग प्रशिक्षण देंगे। वहीं सायरन बजने के साथ शहरों में ब्लैक आउट किया जाएगा। कल सिविल डिफेंस ने मॉकड्रिल का पूर्वाभ्यास किया। आग से बचाव, घायलों को अस्पतालों तक पहुंचाने की ट्रेनिंग दी गई। आज शाम में सायरन बजेगा। इसके बाद ब्लैक आउट की मॉकड्रिल शुरू होगी जो 15 मिनट तक चलेगी। इसके पूर्व सिविल डिफेंस, अग्निशमन, स्वास्थ्य समेत अन्य विभाग स्कूली छात्रों और आरडब्ल्यूए को प्रशिक्षण दे रहे हैं।

पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले के बाद अपने देश में भी महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। संभावित युद्ध एवं हवाई हमले की दौरान आम नागरिकों को अपनी जान की सुरक्षा और बचाव के तरीके बताए जा रहे हैं। इसके साथ ही जगह-जगह मॉक ड्रिल के माध्यम से सतर्कता को परखा जा रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग काशी विश्वनाथ मंदिर पर भी बुधवार को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। 600 जवानों की उपस्थिति में पूरे अभ्यास को अंजाम दिया गया। पहले काशी विश्वनाथ कॉरिडोर पर मिसाइल हमले की सूचना प्रसारित हुई। इसके बाद पूरी फोर्स एक्टिव हो गई। एनडीआरएफ की टीमों ने मोर्चा संभाला और कॉरिडोर के अंदर घुस गई।

वहां घायल पड़े लोगों को सबसे पहले बाहर लाया गया और सभी इलाज शुरू किया गया। कुछ लोगों को सीपीआर भी दी गई। कुछ लोगों को एंबुलेंस के माध्यम से अस्पतालों के लिए भी रवाना किया गया। इस दौरान एक दीवार को भी काटकर अंदर पहुंचने का अभ्यास किया गया। एनडीआरएफ के साथ डॉग स्क्वायड की टीम भी इस दौरान मौजूद रही। यह डॉग किसी मलबे के अंदर दबे लोगों की पहचान करने में माहिर हैं। सुबह छह बजे से ही यह मॉक ड्रिल शुरू हो गई जो कई घंटों तक जारी रही।

मॉक ड्रिल के समय सौर ऊर्जा से चलने वाली लाइटों में ऑन-ऑफ का सिस्टम नहीं होता है। जैसे ही अंधेरा होता है ये जल उठती है। ऐसे में इसको बंद करने के लिए सौर प्लेट और लाइट के बीच लगे तार को अलग कर दीजिए।

डीजीपी ने दिए निर्देश

ऑपरेशन सिंदूर के बाद यूपी में सतर्कता बढ़ा दी गई है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने सभी जिलों के अधिकारियों को इस बाबत कई निर्देश जारी किए हैं। अफसरों को 13 प्वाइंट में और सबप्वाइंट में बताया गया है कि क्या करना है और क्या नहीं करना है। डीजीपी की ओर से कहा गया है कि आज रात भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेशवासियों एवं राज्य के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके साथही कानून व्यवस्था बनाए रखने और इससे सम्बन्धी दिये गये निर्देशों के क्रम में सभी जनपदों, कमिश्नरेट्स और पुलिस इकाइयों को तत्काल प्रभाव से इन निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना है।

आतंकवाद की जड़ पर हमला करना होगाः अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के ठिकानों पर की गई कार्रवाई की प्रशंसा की। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अखिलेश यादव ने कहा, यह लड़ाई लंबी है और दहशतगर्दी की जड़ पर हमला करना होगा। यादव ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाये जाने का स्वागत करते हुए कहा, सपा पहलगाम हमले के बाद दिल्ली में आयोजित सर्वदलीय बैठक में पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि इस मामले में जो भी कार्रवाई करनी होगी, उसमें पार्टी सरकार के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा, जब आतंकवाद की जड़ पर हमला होगा तो यह जो टहनियां दिखाई दे रही हैं वे अपने आप सूख जाएंगी।

» **काशी विश्वनाथ में 600 जवानों के साथ मॉक ड्रिल।**

पीएम मोदी के करीबी अधिकारी को बड़ी जिम्मेदारी

कौशल राज बने दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के चर्चित आईएएस अधिकारी कौशल राज शर्मा को बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी गई है। आईएएस कौशल राज शर्मा को दिल्ली जल बोर्ड का सीईओ बना दिया गया है। उन्हें 3 साल के लिए प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली बुलाने के बाद यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। कौशल राज शर्मा को आईएएस शिल्पा सिंदे की जगह दिल्ली जल बोर्ड का सीईओ बनाया गया है। दरअसल, आईएएस कौशल राज शर्मा को पीएम नरेंद्र मोदी और पीएमओ का करीबी माना जाता है। इसी वजह से उन्हें वाराणसी के बाद अब दिल्ली में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के पूर्व कमिश्नर कौशल राज शर्मा का पिछले महीने ही तबादला कर दिया गया था। उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सचिव बनाया गया था। इसके कुछ दिन बाद ही आईएएस कौशल राज शर्मा का दिल्ली से बुलावा आया गया था।

कौशल राज शर्मा को प्रतिनियुक्ति पर एजीएमयूटी कैडर में बुलाया गया था। तब से माना जा रहा था कि पीएम मोदी के करीबी आईएएस कौशल राज शर्मा को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इसी क्रम में कौशल राज शर्मा को दिल्ली जल बोर्ड का सीईओ बनाया गया है।

2006 बैच के आईएएस अधिकारी कौशल राज शर्मा की पीएमओ से नजदीकियां किसी से छुपी नहीं है। यही वजह है कि समय-समय पर उन्हें बड़ी से बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी जाती है। लखनऊ के जिलाधिकारी रह चुके लंबे समय तक पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वो वाराणसी के डीएम के साथ ही कमिश्नर का चार्ज भी संभाल चुके हैं।

हालांकि, वाराणसी में तैनाती के दौरान उनका प्रयागराज तबादला कर दिया गया था। बाद में कुछ ही घंटे के भीतर उनका तबादला संशोधित कर दिया गया था। दिल्ली में बड़ी जिम्मेदारी पाने वाले कौशल राज शर्मा 2019 से वाराणसी में तैनात थे।

---

200 से अधिक उड़ानें रद्द, 18 हवाई अड्डे अस्थायी रूप से बंद

सतर्कताः इंडिगो एयरलाइन ने ट्वीट कर दी जानकारी

» नई दिल्ली/मुंबई, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाबी कार्रवाई के तौर पर 6-7 मई की रात पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर जोरदार हमला किया और उसे नेस्तनाबूद कर दिया। भारत की तरफ से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत मिसाइल हमलों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव अपने देश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। इसके चलते उत्तरी और पश्चिमी भारत के कम से कम 18 एयरपोर्ट्स को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इन बंद एयरपोर्ट्स में श्रीनगर, जम्मू, लेह, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, जैसलमेर, शिमला, धर्मशाला और जामनगर शामिल हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद फ्लाइट ऑपरेशन्स पर भारी असर पड़ा है। अब तक 200 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। अकेले इंडिगो ने लगभग 165 फ्लाइट कैंसिल की हैं। दिल्ली एयरपोर्ट से भी 35 से ज्यादा फ्लाइट्स (23 डिपार्चर, 8 अराइवल और 4 इंटरनेशनल फ्लाइट्स) रद्द कर दी गई हैं।

मौजूदा हालात को देखते हुए इंडिगो एयरलाइन ने मंगलवार को श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, लेह, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर और जोधपुर के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। इसकी जानकारी देते हुए एयरलाइन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि देशभर में उड़ानों के शेड्यूल में बदलाव हो सकता है। साथ ही इंडिगो ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति जरूर जांच लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।

बता दें कि कुल मिलाकर इंडिगो ने 165 फ्लाइट कैंसिल की है। उड़ान रद्द होने के बाद कई एयरलाइंस ने बयान जारी कर अपना-अपना स्पष्टिकरण दिया। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया पर लिखा कि एयर इंडिया ने जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट की उड़ानें 10 मई सुबह 5:29 बजे तक रद्द कर दी हैं। यात्रियों को टिकट रद्द कराने या री-शेड्यूल करने पर शुल्क नहीं देना होगा।

कतर एयरवेज का बड़ा एक्शन

वहीं स्पाइसजेट ने अपना बयान जारी कर कहा कि इंडिगो, अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी कई फ्लाइट्स कैंसिल की हैं और यात्रियों को फुल रिफंड या वैकल्पिक उड़ान का विकल्प देने की बात कही है। जबकि कतर एयरवेज ने पाकिस्तानी एयरस्पेस बंद होने के कारण पाकिस्तान के लिए उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी हैं।